Under CSR Support by ipca | Foundation missiongyan

अध्याय - 4 | हरिद्वार (भारतेंदु हरिश्चंद्र)

QUIZ PART-03

1. **श्री गंगा जी का पाट कैसा बताया गया है?**
   A. बड़ा और धीमे वेग वाला
   B. छोटा और धीमे वेग वाला
   C. छोटा और धीमे वेग वाला
   D. लंबा और शांत (C)

व्याख्या : गद्यांश में बताया गया है कि गंगा जी का पाट छोटा है, पर वेग बड़ा है।

2. **हरिद्वार क्षेत्र में कितने मुख्य तीर्थ बताए गए हैं?**
   A. तीन
   B. चार
   C. पाँच
   D. सात (C)

व्याख्या : पाठ में हरिद्वार, कुशावर्त, नीलधारा, विल्वपर्वत और कनखल—कुल पाँच तीर्थों का उल्लेख है।

3. **निम्न में से कौन-सा तीर्थ गद्यांश में उल्लिखित नहीं है?**
   A. हरिद्वार
   B. कुशावर्त
   C. नीलधारा
   D. काशी (D)

व्याख्या : गद्यांश में काशी का उल्लेख नहीं है, जबकि अन्य सभी तीर्थों का वर्णन है।

4. **दक्ष ने किस स्थान पर यज्ञ किया था?**
   A. कुशावर्त
   B. कनखल
   C. नीलधारा
   D. विल्वपर्वत (B)

व्याख्या : पाठ में उल्लेख है कि कनखल तीर्थ में ही दक्ष ने यज्ञ किया था।

5. **हरिद्वार क्षेत्र के प्रसिद्ध धनी कौन बताए गए हैं?**
   A. कृपा राम
   B. भारामल जैकृष्णदास खत्री
   C. विल्वेश्वर महादेव
   D. दीवान रामनारायण (B)

व्याख्या : गद्यांश में भारामल जैकृष्णदास खत्री को वहाँ के प्रसिद्ध धनी बताया गया है।

6. **लेखक के अनुसार हरिद्वार में कौन-से मनुष्य नहीं रहते?**
   A. साधु
   B. यात्री
   C. इच्छा और क्रोध से भरे लोग
   D. व्यापारी (C)

व्याख्या : पाठ में कहा गया है कि यह ऐसा निर्मल तीर्थ है जहाँ इच्छा और क्रोध से भरे लोग नहीं रहते।

7. **पंडे कहाँ से आते हैं?**
   A. काशी से
   B. ज्वालापुर से
   C. दिल्ली से
   D. प्रयाग से (B)

व्याख्या : गद्यांश में उल्लेख है कि पंडे ज्वालापुर से आते हैं।

8. **लेखक कहाँ ठहरे थे?**
   A. धर्मशाला में
   B. हरि की पैड़ी पर
   C. दीवान कृपा राम के घर के ऊपर के बंगले में
   D. कनखल में (C)

व्याख्या : लेखक ने लिखा है कि वे दीवान कृपा राम के घर के ऊपर के बंगले में ठहरे थे।

9. **विल्वपर्वत पर किसकी मूर्ति स्थित है?**
   A. चण्डिका देवी
   B. विष्णु
   C. विल्वेश्वर महादेव
   D. गणेश (C)

व्याख्या : पाठ में उल्लेख है कि विल्वपर्वत पर विल्वेश्वर महादेव की मूर्ति है।

10. **हरिद्वार को किस प्रकार का तीर्थ बताया गया है?**
    A. शोर-गुल वाला
    B. व्यापारिक
    C. शुद्ध और निर्मल साधुओं के सेवन योग्य
    D. कठिन और दुर्गम (C)

व्याख्या : गद्यांश में हरिद्वार को शुद्ध, निर्मल और साधुओं के सेवन योग्य तीर्थ बताया गया है।

मिशन ज्ञान
जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App